No. of Printed Pages : 5

ई.एच.डी.-2

06001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.- 2 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है। शेष* ***किन्हीं चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से ***किन्हीं तीन*** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 12x3=36

(क) अवधू मेरा मन मतिवारा।
उनयनि चढ्या मगन रस पीवै,
त्रिभुवन भया उजियारा॥
गुड़ कर ग्यान ध्यान कर महुवा,
भव माठी करि यारा॥
सुषमन नारी सहजि समानी, पीवै पीवनहारा॥
दोइ पुड़ जोड़ि चिणाइ भाठी, चुया महारस भारी।
काम क्रोध दोइ किया बलीता, छूटि गई संसारी॥
सुनि मंडल में मंदला बाजै, तहाँ मेरा मन नाचै।
गुर प्रसादि अमृत फल पाया, सहजि सुषमना काछै॥
कहै कबीर भव बंधन छूटे, जोतिहि जोति समाना।

(ख) तनिक हरि चितवाँ म्हारी ओर।

हम चितवाँ थे चितवो णा हरि,

द्रिवणों बड़ो कठोर।

म्हारी आसा चितवन थारी, और

णा दूजां दोर।

ऊभ्याँ ठाढ़ी अरज करूँ छँ, करतां

करतां भोर।

मीरा रे प्रभु हरि अविनासी,

देस्यू प्राण अंकोर

(ग) कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में

क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है।

कहैं पद्‌माकर परागन में पॉन हू में

पातक में पिक में पलासन पगंत है।।

द्वारे में दिसान में दनी में देस देसा में।

देखौ दीप दीपन में दीपत में दिगंत है।

बीष्पिन में ब्रज में न बेलिन में बेलिन में

बनन में बागन में बगरयों बसंत है।।

(घ) हिमाद्रि तुंग शृंग से

प्रबुद्ध शुद्ध भारती

स्वयंप्रभा समुज्ज्वला

स्वतंत्रता पुकारती।

अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो

प्रशस्त पुण्य पंथ है – बढ़े चलो बढ़े चलो।।
असंख्य कीर्ति रश्मियाँ
विकीर्ण दिव्य दाह सी
सपूत मातृभूमि के
रूको न शूर साहसी

(ङ) वर्षा ऋतु की स्निग्ध भूमिका
प्रथम दिवस आषाढ़ मास का
देख गगन में श्याम घन घटा
विधुर यक्ष का मन जब उचटा
खड़े-खड़े तब हाथ जोड़ कर
चित्रकूट के सुभग शिखर पर
उस बेचारे ने भेजा था
जिनके ही द्वारा संदेशा
उन पुष्कशवर्त मेघों का
साथी बन कर उड़ने वाले
कालिदास, सच-सच बतलाना।

(च) जी, माल देखिए दाम बताऊँगा
बेकाम नहीं हैं, काम बताऊँगा
कुछ गीत लिखें हैं मस्ती में मैं ने
कुछ गीत लिखे हैं पस्ती में मैं ने,
यह गीत सख्त सिर दर्द भुलाएगा
यह गीत पिया को पास बुलाएगा।

जी पहले कुछ दिन शर्म लगी मुझको
पर पीछे-पीछे अक्ल जगी मुझको
जी लोगों ने तो बेच दिए ईमान
जी आप न हों सुन कर ज्यादा हैरान
मैं सोच समझ कर आखिर
गीत बेचता हूँ।

2. रासो काव्य परंपरा की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

3. 'पद्मावत' के साहित्यिक सौंदर्य को दृष्टि में रखते हुए जायसी के काव्य का मूल्यांकन कीजिए। 16

4. सूरदास की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 16

5. आधुनिक भारतीय नवजागरण और राष्ट्रीयता की भावना मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में किस तरह अभिव्यक्त हुई हैं? 16

6. सुमित्रानंदन पंत के काव्य-शिल्प का विवेचन कीजिए। 16

7. नयी कविता के स्वरूप और विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 16

8. कुरूक्षेत्र की प्रबंधात्मकता पर प्रकाश डालिए। 16

9. गजानन माधव मुक्ति बोध की काव्य–संवेदना और शिल्प पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए। 16

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 8x2=16

(क) तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल की भावना

(ख) हिंदी रीतिकाव्य

(ग) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

(घ) समकालीन कविता

(ङ) अमीर खुसरो